आइए प्रभु के इस गहन संदेश पर विचार करें।

प्रकाशितवाक्य 3:15-18 (ESV)

“मैं तुम्हारे कर्म जानता हूँ: तुम न तो ठंडे हो और न ही गरम। काश तुम या तो ठंडे होते या गरम! परन्तु चूंकि तुम उबाऊ हो
और न तो गरम हो और न ही ठंडे, मैं तुम्हें अपने मुख से उछाल दूँगा। क्योंकि तुम कहते हो, ‘मैं धनवान हूँ, मैंने समृद्धि प्राप्त की और मुझे किसी चीज़ की आवश्यकता नहीं,’ यह नहीं
जानते कि तुम दीन, दयनीय, गरीब, अंधे और नग्न हो। मैं तुम्हें सलाह देता हूँ कि तुम मुझसे आग में परखा हुआ सोना खरीदो,
ताकि तुम धनवान बनो, सफ़ेद वस्त्र खरीदो ताकि अपने नग्नता
के लज्जा को ढक सको, और आँखों में मलहम लगाओ ताकि देख सको।”

यह शब्द लाओदिकीया की कलीसिया को कहे गए, जो आध्यात्मिक उदासीनता का प्रतीक है — ऐसे मसीही जो बाहरी तौर पर आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी दिखाई देते हैं, परन्तु वे आध्यात्मिक रूप से गरीब हैं।

यीशु उन्हें चेतावनी देते हैं: वे सोचते हैं कि वे धनवान हैं, पर वास्तव में वे गरीब, अंधे और नग्न हैं। फिर भी, वे समाधान प्रदान करते हैं: “आग में परखा हुआ सोना खरीदो”।

1. सच्ची संपत्ति का विरोधाभास

यह प्रश्न उठता है: सोना खरीदकर कोई कैसे धनवान बन सकता है? क्या आसान नहीं होगा यदि यीशु इसे मुफ्त दे देते? लेकिन खरीदने का आदेश दर्शाता है कि यह आध्यात्मिक निवेश और बलिदान की बात है।

परमेश्वर के राज्य में सच्ची संपत्ति पाने के लिए कुछ त्याग करना पड़ता है ताकि कुछ और बहुत बड़ा प्राप्त हो (देखें मत्ती 16:24-26)।

यीशु भौतिक संपत्ति की बात नहीं कर रहे हैं, बल्कि आध्यात्मिक संपत्ति की बात कर रहे हैं — ऐसी संपत्ति जो नष्ट नहीं होती, न खोती है और न चोरी की जा सकती है (मत्ती 6:19-21)।

2. मोती की दृष्टांत: मूल्य को समझना

मत्ती 13:45-46 (ESV)

“स्वर्ग का राज्य फिर उस व्यापारी के समान है जो सुंदर मोती खोज रहा था; जब उसने एक अत्यंत मूल्यवान मोती पाया, तो उसने

सब कुछ बेच दिया जो उसके पास था और उसे खरीद लिया।”

व्यापारी परमेश्वर के राज्य का बुद्धिमान खोजी है। मोती, जैसे आग में परखा हुआ सोना, परमेश्वर के राज्य की अनन्त संपत्ति का प्रतीक है। इसे प्राप्त करने की कीमत है: सब कुछ — संपत्ति, अहंकार, पापी आदतें और सांसारिक सुरक्षा।

धार्मिक रूप से यह पूर्ण समर्पण (kenosis) को दर्शाता है: आत्म-निर्भरता को त्यागकर पूरी तरह मसीह को अपनाना (फिलिप्पियों 2:5-8)। उद्धार, शिष्यता और राज्य में प्रवेश में लागत शामिल है — कमाई नहीं, बल्कि त्याग और समर्पण।

3. सच्ची संपत्ति पाने के लिए सब कुछ बेच देना

दृष्टांत दिखाता है कि मोती पाने के लिए व्यापारी सब कुछ बेच देता है। आध्यात्मिक रूप से, इसका अर्थ है:

पाप से पश्चाताप और त्याग
प्रेरितों के काम 3:19:

“इसलिए पश्चाताप करो और फिर मुड़ो कि तुम्हारे पाप मिट जाएँ।”

संसारिक अहंकार और आत्मनिर्भरता से मुक्ति
याकूब 4:6:

“परमेश्वर गर्वियों का विरोध करता है, परन्तु नम्रों को अनुग्रह देता है।”

बलिदानी शिष्यता
लूका 14:33:

“वैसे ही, जो तुममें से सब कुछ नहीं छोड़ते, वे मेरे शिष्य
नहीं हो सकते।”

यदि सब कुछ नहीं छोड़ते, तो मोती नहीं खरीदा जा सकता — जैसे पाप और आत्मनिर्भरता का त्याग किए बिना स्वर्गीय राज्य प्राप्त नहीं किया जा सकता।

4. व्यावहारिक आध्यात्मिक अनुप्रयोग

आज के संदर्भ में, “सोना खरीदना” शामिल है:

गर्व, लालच, वासना या बेईमानी से पश्चाताप करना
अस्वस्थ लगावों को छोड़ना: भौतिकवाद, महत्वाकांक्षा या प्रतिष्ठा
पूरी तरह से यीशु का अनुसरण करना, दूसरों की सेवा करना और उनके राज्य के कार्य में निवेश करना

मत्ती 6:33

“सबसे पहले परमेश्वर के राज्य और उसकी धार्मिकता की खोज
करो, और ये सब चीजें तुम्हें मिल जाएँगी।”

मत्ती 19:20-23 यह सिद्धांत दर्शाता है: जो युवा कानून का पालन करता था, उसे स्वर्ग में खजाना पाने के लिए अपनी सारी संपत्ति बेचनी और गरीबों को देना आवश्यक था।

भौतिक संपत्ति, ज्ञान या आत्मनिर्भरता कभी भी मसीह के प्रति पूर्ण समर्पण का विकल्प नहीं बन सकती।

5. अंतिम पुरस्कार

जब हम समर्पण के माध्यम से सोना खरीदते हैं, तो हमें मिलता है:

राज्य की सच्ची संपत्ति (प्रकाशितवाक्य 3:18)
यीशु के साथ अनन्त सुरक्षा और संबंध (1 तिमुथियुस 6:17-19)
सत्य को समझने की आध्यात्मिक दृष्टि और बुद्धि (भजन संहिता 119:105)

धार्मिक रूप से, यह दैवीय जीवन में भागीदारी को दर्शाता है (2 पतरस 1:3-4)। हमारे समर्पण में किया गया “निवेश” परमेश्वर को हमें उनके महिमा के पात्र बनाने की अनुमति देता है।

सचाई यह है कि यह मत सोचो कि तुम धनवान हो और तुम्हें किसी चीज़ की आवश्यकता नहीं। सच्ची आध्यात्मिक संपत्ति केवल समर्पण, पश्चाताप और निष्ठावान शिष्यता के माध्यम से आती है।

यीशु आज आपको बुलाते हैं:

गर्व, पाप और सांसारिक निर्भरता को छोड़ दो
पूरी तरह उनका अनुसरण करो और उनकी आत्मा पर भरोसा रखो
अपना जीवन परमेश्वर के राज्य में निवेश करो, सिखाओ और सेवा करो

ऐसा करते हुए, आप परमेश्वर के राज्य की अनन्त और अडिग संपत्ति में वास्तव में धनवान बनेंगे।

प्रभु आपको समर्पण, अनुसरण और निवेश करने में समृद्ध करें।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp